सद्भावना और समरसता लाने के लिए स्वयं की पहचान आवश्यक

मेहसाना। संस्था के गौरवशाली 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 'एक परमात्मा एक विश्व परिवार' एवं 'प्रभु समर्पण समारोह' के सुहावने मंगलकारी संगम को देखने के लिए जन सैलाब उमड़ पड़ा। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए महेसाना क्षेत्र के लोकसभा सांसद जयश्री पटेल ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज् के मुख्यालय माउण्ट आबू में समाज के हर वर्ग के लिए शिविरों का आयोजन किया जाता है। जो कि मूल्यनिष्ठ समाज बनाने में बहुत ही सहायक है। समाज में सद्भावना और समरसता लाने के लिए स्वयं की पहचान बहुत ही आवश्यक है। जिसकी पहचान यह विश्व विद्यालय देता है। आज हमारी पांच बहनें परमात्मा शिव को वरने जा रही है। ये बहनें अपने सुखमय जीवन का त्याग कर मानव कल्याण के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। इससे बड़ा त्याग और क्या हो सकता है जो नारी में भी एक शक्ति है, ऊर्जा है, नारी का भी एक परिचय है। इन बहनों को मैं लाख-लाख दुआयें दे रही हूँ कि वो सफलता के पथ पर सदा आगे बढ़ते रहे और परमात्म कार्य में सहयोगी बनें।

संस्था की सह मुख्य प्रशासिका दादी हृदयमोहिनी ने कहा कि आज सभी धर्मों के लोग कहते हैं कि भारत पहले स्वर्ग था। जहां सुख और शांति का साम्राज्य था। लेकिन आज की परिस्थिति ठीक इसके विपरीत है। आज मनुष्य आध्यात्मिकता से दूर हो गया और अपने निज स्वरूप को भूल गया जिसके कारण समाज में हिंसा, भ्रष्टाचार, दु:ख और अशांति फैली है। स्वयं को भूलने के कारण ही वह 'मेरे' को 'मैं' समझने की गलती कर बैठा। जब हम ये मानेंगे कि मैं आत्मा, परमपिता परमात्मा की संतान हूँ तब यह संसार फिर से स्वर्ग बन जायेगा। उन्होंने कहा कि राजयोग मेडिटेशन का निरंतर अभ्यास कर हम परमात्मा से शक्ति लेकर अपना जीवन सुखमय बना सकते हैं।

गणपत युनिवर्सिटि के उप-कुलपति एल.एन.पटेल ने कहा कि मानव जीवन में योग द्वारा शांति प्राप्त करने का मार्ग यह विश्व विद्यालय सीखाता है। यह संस्था मानव जीवन के लिए उपयोगी कार्य कर रही है।

इस कार्यक्रम को गुजरात जोन की संचालिका ब्र.कु.सरला ने कहा कि यह संस्था अपने स्थापना के काल से ही परमात्मा का संदेश पूरे विश्व में प्रसारित करने का कार्य कर रहा है।

(शेष पृष्ठ 10 पर)

नये विश्व की स्थापना में सहभागी बनें - दादी जानकी

अहमदाबाद। संत समागम समारोह को संबोधित करते हुए श्री श्री 108 स्वामी मंगलानंद, दादी जानकी, ब्र.कु.सरला, ब्र.कु.बृजमोहन तथा सर्व संत।

अहमदाबाद। संस्था की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी ने कहा कि अब कलियुग अंतिम चरण में है। जहां हर क्षेत्र में अति दिखाई दे रही है। ऐसे में परमात्मा इस धरा पर पुन: नये साम्राज्य की स्थापना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भगवान को पहचानना तथा उनके साथ सम्बन्ध जोड़ना और उनसे शक्तियां प्राप्त कर अनितियों को समाप्त कर सद्गुणों को आचरण में लाना होगा।

96 वर्षीये दादी जानकी ने कहा कि मैंने भारत को आजाद होते देखा है। अब भारत पुन: अनीति, अत्याचार से मुक्त कराने के लिए आध्यात्मिकता को अपनाने की जरूरत है। वे अहमदाबाद के वीनस मैंदान में 'प्लेटिनम जुबली' के अवसर पर आयोजित संत सम्मेलन को संबोधित कर रही थी।

भारत साधु समाज तथा गीता मंदिर संस्थान के प्रमुख श्री श्री 108 स्वामी मंगलानंद जी महाराज ने कहा ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा सारे विश्व में आध्यात्मिक क्रांति फैल रही है। उन्होंने कहा कि परमात्मा भारत में ही क्यों आता है। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक मार्ग में मनुष्य स्वयं व दूसरों को समझने तथा सद्भावना से संपन्न समाज का निर्माण करता है। स्वामी ने कहा कि यह समय है हर इंसान को स्वधर्म का पालन कर संयमित जीवन जीने की ओर अग्रसर होना चाहिए।

ब्र.कु.बृजमोहन ने कहा कि भारत आध्यात्मिक देश है। अभी आसुरी शक्तियों का बोलबाला है। जबकि दैवी शक्तियां प्राय: समाप्त होती दिखाई पड़ती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय तीन सत्ता है, एक विज्ञान की सत्ता, दूसरी राजसत्ता और तीसरा है धर्मसत्ता। आज धर्म विहीन विज्ञान विश्व को विनास की ओर लेकर जा रहा है। जबकि राजसत्ता में भ्रष्टाचार अपनी जड़ें मजबूत कर ली है। ऐसे में धर्म सत्ता ही विश्व को बचा सकती है। धर्मसत्ता ही उद्धार का मूल आधार है। उन्होंने कहा कि एक परमात्मा की पहचान व उनके मार्गदर्शन से ही विश्व बंधुत्व की भावना को प्रबल कर विश्व में शांति स्थापित कर सकते हैं।

ब्र.कु.सरला ने सभी अतिथियों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया तथा नन्हीं बालिकाओं ने प्रभु स्मृति गीत पर नृत्य कर सभी मेहमानों का स्वागत किया। दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया तथा मंच का कुशल संचालन ब्र.कु.शारदा ने किया।

सदस्यता शुल्क

भारत - वार्षिक 150 रूपये,
तीन वर्ष 450 रूपये
आजीवन 3500 रूपये
विदेश - 1800 *रूपये (वार्षिक)*

कृपया सदस्यता शुल्क 'ओम शान्ति मीडिया' के नाम मनीआर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट माउण्ट आबू) द्वारा भेजें ।

पत्र-व्यवहार

संपादक: ब्र.कु.गंगाधर
ओम् शान्ति मीडिया
ब्रह्माकुमारीज्, शांतिवन, तलहटी
आबू रोड (राज.) 307510,
Enquiry For Membership - 9414006096
(M)- 9414154344, Email: mediabkm@gmail.com,
omshantimedia@bkivv.org, Website: w.w.w.omshantimedia.info

प्रति

RNI NO RAJHN/2000/721, NEWS PAPER TO POST CONCSSIONAL REGISTRATION NO. RJ/SIROHI/9623/12-14, 12TH TO 14 TH, 22 ND TO 24TH POSTED TO SHANTIVAN POST OFFICE
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, सलाहाकार संपादक: कमल दीक्षित, प्रकाशक: ब्र.कु.करूणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज् मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ.) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट साल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।